Entry of multinationals in marine fishery sector

2108. SHRI YERRA NARAYANASWAMY: Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRIES be pleased to state:

(a) whether Government have received representations from Indian Fishery Association against the entry of multinationals into the marine fishery sector;

(b) if so, the details thereof;

(c) what steps are proposed to reserve adequate marine resources for Indian fishing sector and Indian owned fishing vessels; and

(d) what steps are proposed to restrict entry of multinationals and foreign companies into marine fishing?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI TARUN GOGOI): (a) Various fishermen's associations have represented against the entry of multinationals and big industrial houses into the deep sea fishing sector.

(b) These Associations inter alia demanded that licences for deep sea fishing by multinationals and big industrial houses should be cancelled as they are alleged to do indiscriminate fishing.

(c) and (d) No licence has been issued to multinationals and foreign companies for fishing in Indian Exclusive Economic Zone. However, a number of Indian Companies have been permitted to set up joint venture companies in collaboration with foreign fishing companies, for deep sea fishing in Indian waters by acquisition of vessels through purchase/base. Operation of such vessels are allowed only beyond the territorial waters are reserved for traditional fishermen.

खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों के निर्यात में वृद्धि

2109. श्री राम जेठमलानी : क्या खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि होती रही है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1991–92, 1992–93 और 1993–94 के दौरान कितने-कितने मूल्य का निर्यात किया गया है ;

(ग) उपर्युक्त अवधि के दौरान फलों, सब्जियों और उनके उत्पादों का अलग-अलग वर्ष-वार कितने-कितने मूल्य का निर्यात किया गया है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि देश में पर्याप्त मात्रा में फल और सब्जियां उपलब्ध हैं ;

(ङ) यदि हां, तो उक्त अवधि के दौरान वर्ष-वार इन मदों की कितनी-कितनी मात्रा उपलब्ध रही है ;

(च) क्या यह भी सच है कि फलों और सब्जियों की बिना उपयोग नष्ट हो जाने की मात्रा को कम करने के लिए सरकार द्वारा प्रभावकारी प्रयास नहीं किये गये हैं ;

(छ) यदि हां, तो इस दिशा में क्या प्रयास किये गये हैं ; और

(ज) वर्ष 1990–91 और 1993–94 के दौरान कितनी-कितनी प्रतिशत फल और सब्जियां नष्ट हुई हैं ?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री तरूण गोगोई) : (क) जी, हां।

(ख) उपलब्ध जानकारी के अनुसार निम्नलिखित प्रसंस्कृत खाद्यों जिनमें प्रसंस्कृत

अनाज और समुद्री उत्पाद शामिल हैं किन्तु ताजे फल और सब्जी आदि शामिल नहीं हैं, का निर्यात किया गया :—

वर्ष	मूल्य (करोड़ रुपए में)
1991–92	2963.18
1992–93	3488.95
1993–94 (अनुमानित)	4708.50

(ग) उपलब्ध जानकारी के अनुसार फल, सब्जी और उनके उत्पादों का पिछले तीन वर्षों के दौरान किया गया निर्यात इस प्रकार है :—

(मूल्य करोड़ रुपए में)

वर्ष	फल और सब्जियां	प्रसंस्कृत फल और सब्जियां जिनमें सूखे अखरोट शामिल हैं
1991–92	293.98	206.09
1992–93	347.07	249.96
1993–94	445.00	314.00

(घ) जी, हां ।

(ङ) फल और सब्जियों का उत्पादन :

(मात्रा मिलियन टन में)

वर्ष	फल	सब्जियां
1991–92*	28.63	58.55
1992–93	32.89	71.58
1993–94	उपलब्ध नहीं है	उपलब्ध नहीं है

*अनुमानित

(च) जी, नहीं ।

(छ) बागबानी फसलों की फसलोत्तर बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा कई कदम उठाए जा रहे हैं ताकि काटे गए उत्पाद को अधिक समय तक बनाए रखा जा सके और किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके। विभिन्न एजेंसियां सरकारी विभाग अपनी योजनाओं के तहत ग्रेडिंग/पैकिंग सेंटरों की स्थापना प्लास्टिक क्रेट्स की खरीद, परिवहन वाहनों की खरीद, कोल्ड स्टोरेज, प्री-कूलिंग सिस्टम आदि की स्थापना के लिए सहायता देती हैं। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भी फल और सब्जी प्रसंस्करण उद्योग के विकास के लिए विकासात्मक योजना स्कीमें चला रहा है।

(ज) इस संबंध में कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं किया गया है।

Processing of Potatoes in Farukhabad District

2110. SHRI BHUPINDER SINGH MANN: Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRIES be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the assurances for processing of potatoes in Farukhabad district of Uttar Pradesh;

(b) if so, what steps are being taken to initiate potato processing there; and

(c) what is the total potato production in Farukhabad as compared to the total potato production in India, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI TARUN GOGOI): (a) and (b) Although, the Ministry of Food Processing Industries does not directly set up any fruit & vegetable processing industry including potato processing industry, the Ministry is implementing a Plan scheme under which assistance is provided to the public sector/joint sector/ cooperative sector units etc. for establishment or upgradation of fruit and vegetable processing